(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त गाईड लाइन के अनुसार स्नातक स्तरीय वोकेशनल पाठ्यक्रम)

बी0ए0 भाग-एक, बी0ए0 भाग-दो तथा बी0ए0 भाग-तीन को परीक्षाओं में प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंक का होगा तथा मौखिकी या जाब ट्रेनिंग 50 अंक की होगी। बी0ए0 भाग-तीन में तीन प्रश्न पत्र व प्रोजेक्ट रिपोर्ट 75 अंक का होगा। बी0ए0 भाग-एक व दो में दो-दो प्रश्न-पत्र होंगे।

बी0ए0 भाग-एक सत्र- 1999-2000

प्रथम प्रश्न पत्र- विदेशी व्यापार के आधार व सिद्धान्त 75 अंक

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार- की विषय सामग्री के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र-अर्थ एवं प्रकृति।
2. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार- अर्थ, आवश्यकता, महत्व एवं प्रभाव (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ व हानियाँ)
3. अन्तर्क्षेत्रीय (आंतरिक) व्यापार एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की तुलना एक पूथम सिद्धान्त की आवश्यकता।
4. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त- रिकार्डो का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त, हैबरलर का अवसर लागत सिद्धान्त, मिल का पारस्परिक मांग सिद्धान्त मार्शल-एजवर्थ की प्रस्ताव वक, हैक्सचर- ओहलिन का आधुनिक सिद्धान्त।
5. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ की गणना एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण।
6. व्यापार की शर्तें- अर्थ, प्रकार एवं प्रभावित करने वाले तत्व इसका व्यापार से लाभ एवं आर्थिक विकास से संबंध।
7. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक विकास।

द्वितीय प्रश्न-पत्र भारत का विदेशी व्यापार (1)

1. स्वतंत्रता से पूर्व भारत का विदेशी व्यापार एवं स्वतंत्रता के पश्चात भारत का विदेशी व्यापार, संरचना- प्रमुख आयात एवं प्रमुख निर्यात, दिशा विविधता एवं आधुनिकतम प्रवृत्तियाँ।
2. भारत की विदेशी व्यापार नीति- आयात नीति एवं निर्यात नीति
3. भारत में आयात नियंत्रण एवं निर्यात प्रोत्साहन, आयात प्रतिस्थापन-नीति।

4. भारतीय रूपये का अवमूल्यन।
5. भारत में राजकीय व्यापार- राज्य व्यापार निगम।
6. भारत में विदेशी पूंजी निवेश (बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ)
7. भारत की व्यापारिक या तटकर (प्रशुल्क) नीति।

तृतीय प्रश्न पत्र- जाब ट्रेनिंग- एक सप्ताह से तीन सप्ताह एवं मौखिकी

50 अंक